(ख) राजस्थान में दहेज मामलों के कारण वर्ष 1986,1987 और 1988 (नवम्बर तक) में क्रमशः 84,113 और 102 महिलाओं की मृत्यु हुई।

इन मामलों में पकड़े गए और दोष- सिद्ध व्यक्तियों की संख्या के विषय में सूचना केन्द्रीय एजेन्सियों द्वारा संकलित नहीं की जाती है।

कानून को संशोधित करने के लिए भारत सरकार किसी प्रस्ताव पर विचार नहीं कर रही है।

(ग) इस समय इस संबंध में सीधा अभियान चलाने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

आतंकवादियों द्वारा मारे गये व्यक्ति

270. **डा. अबरार अहमद खान:** क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) पंजाब तथा अन्य स्थानों पर आतंकवादियों द्वारा अब तक कितने व्यक्ति मारे गये है। मृतकों के परिवारों को सरकार द्वारा कितनी वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई गई है और ऐसे परिवारों की संख्या कितनी है जिनके परिवार का मुखिया मारा गया है और क्या सरकार ने सम्बद्ध परिवारों के पुनर्वास के लिए कोई प्रबंध किये है; और

(ख) राजस्थान सीमा पर कितने आतंकवादी पकड़े गये है और उनके सीमा के अन्दर प्रवेश को रोकने के लिए क्या कदम उठाये जा रहे हैं तथा आतंकवादियों द्वारा राजस्थान में अब तक कितने व्यक्ति मारे गये हैं?

कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी. चिदम्बरम्) (क) तथा (ख) सूचना एकत्र की जा रही है और सदन के पटल पर रख दी जाएगी।

वन अनुरक्षण कार्य पर खर्च की गई धनराशि

271. **डा. अबरार अहमद खान:** क्या **पर्यावरण और वन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) गत 3 वर्षों के दौरान में वनों के विकास तथा वनों के अनुरक्षण पर वर्षवार कितनी धनराशि खर्च की गई और वनों के विकास तथा अनुरक्षण के लिए क्या कदम उठाए गए हैं और इस संबंध में कितनी सफलता प्राप्त हुई है;

(ख) क्या यह सच है कि इस प्रकार के प्रयास तथा वनों के विकास और अनुरक्षण कार्य पर धनराशि खर्च किए जाने के बावजूद वनों का काटा जाना जारी है और इस कार्य में वनों की रक्षा करने वाले कार्मिक भी अन्तर्ग्रस्त हैं, यदि हां, तो उनकी संख्या कितनी है और उनको क्या सजाएं दी गई; और

(ग) गत 3 वर्षों के दौरान राजस्थान में वनाच्छादित क्षेत्र कितना था तथा इस समय कितना क्षेत्र वनाच्छादित है और इन 3 वर्षों के दौरान राज्य में वनों के विकास पर कितनी धनराशि खर्च की गई और वनों के विकास तथा अनुरक्षण के संबंध में इस समय राज्य में चालू योजनाओ के नाम क्या-क्या है तथा वनों में वृक्षों की अवैध कटाई को रोकने के लिए क्या कदम उठाये जा रहे है?

पर्यावरण और वन मंत्री (श्री जैड० आर० अंसारी): (क) गत तीन वर्षों के दौरान देश में वनों के विकास तथा संरक्षण पर व्यय की गई धनराशि और वनरोपण की वास्तविक उपलब्धियों का ब्यौरा संलग्न विवरण में दिया गया है। वनों के संरक्षण के लिए किए गए उपाय संलग्न विवरण-2 में दिये गये हैं। इन उपायों से निम्नलिखित प्रभाव पड़े:-

(1) वेनेतर प्रयोजनों के लिए वन भूमि को उपयोग में लाने की वार्षिक औसत दर 1980 से पूर्व 1.5 लाख हेक्टेयर थी, जो 1980-88 की अवधि के दौरान कम होकर 15,000 हेक्टेयर रह गई।

2. वनरोपण की वार्षिक दर 1985-86 में 1.45 मिलियन हेक्टेयर से बढ़कर 1988-89 में लगभग 2 मिलियन हेक्टयर हो गयी।

(ख) 1972-75 से 1980-82 की अवधि के बीच किये गये अध्ययनों से पता चलता है कि वननाशन 1.3 मिलियन हेक्टेयर की दर से हो रहा है। जब कभी अवैध रूप से वृक्ष काटने की शिकायत प्राप्त होती है, संबंधित राज्य सरकार द्वारा लागू नियमों के अनुसार आवश्यक कार्यवाही की जाती है।

(ग) 1981—83 के वर्षों में राजस्थान में वन आवरण के तहत 12,478 वर्ग किमी० क्षेत्र था। उसके पश्चात् वन आवरण के विस्तार के मूल्यांकन के लिए कोई सर्वेक्षण नहीं किया गया। गत तीन वर्षों के दौरान